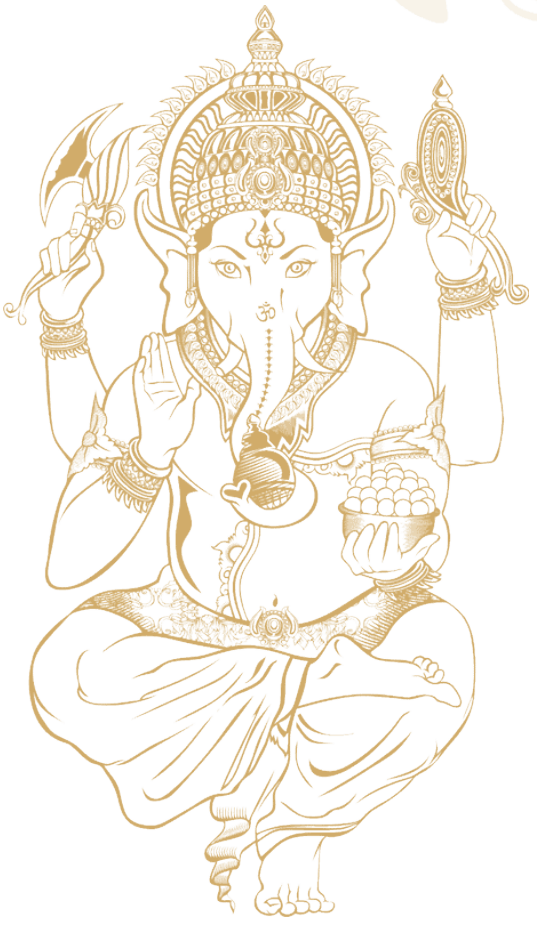

Sahil Mahek

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121919407

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/06/1997	जन्म तिथि	24/02/1998
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 06:10:00	जन्म समय	08:10:00 घंटे
घटी 01:54:39	जन्म समय(घटी)	03:15:10 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:08	सूर्योदय	06:51:56
19:22:01	सूर्यास्त	18:17:15
23:49:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:48

विंशोत्तरी शुक्र 5वर्ष 3मा 2दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 10मा 8दि
राहु	16:12:18	मिथु	लग्न	मीन	07:35:29	राहु
23/09/2025	06:49:40	मिथु	सूर्य	कुंभ	11:27:00	02/01/2017
24/09/2043	23:09:45	धनु	चंद्र	मक	05:52:29	03/01/2035
राहु 06/06/2028	07:21:24	कन्या	मंगल	कुंभ	29:30:21	राहु 15/09/2019
गुरु 30/10/2030	02:10:36	मिथु	बुध	कुंभ	12:56:12	गुरु 08/02/2022
शनि 05/09/2033	27:53:25	मक व	गुरु	कुंभ	10:52:52	शनि 15/12/2024
बुध 25/03/2036	27:58:04	मिथु	शुक्र	मक	00:27:02	बुध 04/07/2027
केतु 12/04/2037	25:09:48	मीन	शनि	मीन	23:44:26	केतु 22/07/2028
शुक्र 12/04/2040	29:35:55	सिंह व	राहु व	सिंह	16:42:59	शुक्र 23/07/2031
सूर्य 07/03/2041	29:35:55	कुंभ व	केतु व	कुंभ	16:42:59	सूर्य 15/06/2032
चन्द्र 05/09/2042	14:14:32	मक व	हर्ष	मक	16:22:30	चन्द्र 15/12/2033
मंगल 24/09/2043	05:29:50	मक व	नेप	मक	07:05:45	मंगल 03/01/2035
	09:41:16	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:10:02	

लग्न-चलित

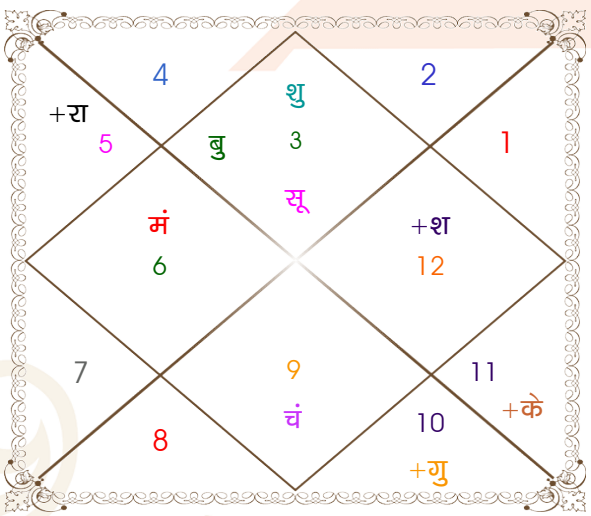

लग्न-चलित

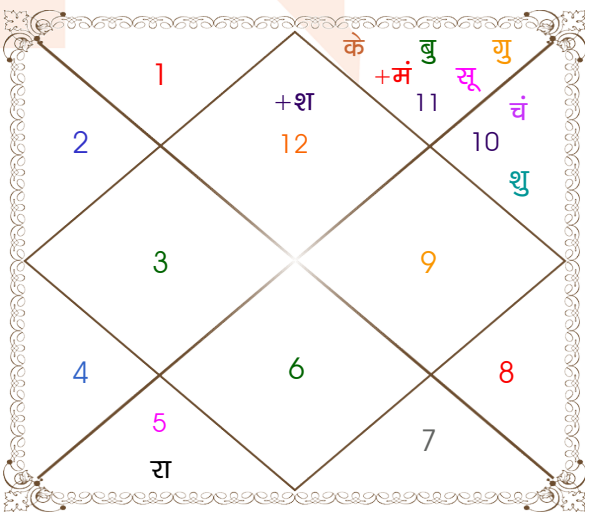

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Sahil का वर्ग मूषक है तथा Mahek का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sahil और Mahek का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sahil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Mahek मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mahek कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mahek कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sahil कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sahil तथा Mahek में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।